GOD'S SIMPLE PLAN OF SALVATION

Introduction

I John 5:13 परमेस्सर मँ बिसवास करइवालो, तोहका इ बातिन क मइँ इ बरे लिखत अहउँ जइसेन कि तू जानि ल्या कि अनन्त जीवन तोहरे पास अहइ।

I We are all sinners.

Romans 3:10 पवित्तर सास्तरन कहत हीं:"कउनो धर्मी नाहीं अहइ, एक ठु भी नाहीं!

Romans 3:23 काहेकि सबइ तउ पाप किहे बाटेन अउर सबइ तउ परमेस्सर क महिमा स विहीन बाटेन।

II There is a cost for that sin.

Romans 6:23 "काहेकि पाप क मूल्य तो बस मृत्यु ही अहइ। ....."

Rev. 21:8 "मुला कायरन, अबिस्सासियन, मूरखन, हत्यारन, व्यभिचारिय, जाद-टोना करइवालेन, मूरति क पूजा करइवालेन अउर झूठ बोलइवालन क भभकत गंधक क जलत झील मँ आपन हिस्सा बँटावइ क होई। इ दूसरी मउत बाटइ।"

Romans 5:12 इही बरे एक मनई (आदम) जरिये जइसेन धरती पे पाप आवा अउर पाप स मउत अउ एह तरह मउत सब जने क बरे आइ काहेकि सबहिं पाप किहे रहेन।

III Christ died for our sins.

Romans 5:8 मुला परमेस्सर तउ हमपे आपन पिरेम देखायेस। जबकि हम तउ पापी ही रहे; परन्तु ईसू त हमरे बरे परान तजि दिहेस।

Romans 14:9 इही बरे मसीह मरा, अउर इही बरे जी उठा ताकि उ, उ जउन अब मरि चुका अहइ, अउर जउन जीवित अहइ दुइनउँ क पर्भू होइ सकइ।

Romans 6:23 …….. जबकि हमार पर्भू मसीह ईसू मँ अनन्त जीवन, परमेस्सर क सेंतमेत क बरदान बाटइ।

Christ died for sinners!

IV Salvation is a free gift, not by good works. You must take God's word for it, and trust Jesus alone!

Eph. 2:8-9 **परमेस्सर क अनुग्रह दुआरा आपन बिसवास क कारण तू बचावा गया ह। इ तू सबन क तोहरी कइँती स मिली नाहीं बा, बल्कि इ तउ परमेस्सर क बरदान अहइ। इ हमरे किहे कर्मन क परिणाम नाही बा कि हम एकर गरब कइ सकी।**

Titus 3:5 **उ हमार उद्धार किहेस। इ हमार निर्दोस ठहराइ जाइके बरे हमार कीहीउ काम द्वारा नाहीं भवा बल्कि ओकरी करूणा द्वारा भवा। उ हमार रच्छा ओह स्नान क द्वारा किहेस जेहमाँ हम फिन पइदा होइत ह अउर पवित्तर आतिमा क द्वारा नवा बनावा जात अहीं।**

Acts 4:12 **कउनो दूसर स उद्धार नाहीं अहइ, संसारे मँ अउर दूसर नाउँ नाहीं अहइ जेहसे मानव जाति बचाई जाय सकइ। हम सब ईसू स ही उद्धार पाउब!"**

V We must put our faith and trust in Christ in order to be saved

Romans 10:9-10,13 कि अगर तू अपने मूँहे स घोसित करा, "ईसू मसीह पर्भू अहइ", अउर तू अपने मने मँ इ बिसवास करा कि परमेस्सर तउ ओका मरा हुवन मँ स जिन्दा किहेस तउ तोहार उद्धार होइ जाई। काहेकि अपने हृदय क बिसवास स मनई धार्मिक ठहरावा जात ह अउर अपने मुँहे स ओकरे बिसवास क स्वीकार करइ स ओकर उद्धार होत ह। पवित्तर सास्तर कहत ह, "हर केऊ जउन पर्भू क नाउँ लेत हीं, उद्धार पइहीं।"

If you want to accept Jesus Christ as your Savior and receive forgiveness from God, here is prayer you can pray. Saying this prayer or any other prayer will not save you. It is only trusting in Jesus Christ that can provide forgiveness of sins. This prayer is simply a way to express to God your faith in Him and thank Him for providing for your forgiveness.

"Lord,

I know that I am a sinner. I know that I deserve the consequences of my sin. However, I am trusting in Jesus Christ as my Savior. I believe that His death and resurrection provided for my forgiveness. I trust in Jesus and Jesus alone as my personal Lord and Savior. Thank you Lord, for saving me and forgiving me! Amen!"